



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 213]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 26, 1975/श्रावण 4, 1897

No. 213]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 26, 1975/SRAVANA 4, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह खलन संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

CORRIGENDA

New Delhi, the 26th July 1975

G.S.R. 430(E).—In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. G.S.R. 463(E), dated the 12th November, 1974, published at pages 2271 to 2279 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II—Section 3—Sub-section (i), dated the 12th November, 1974,—

- (1) at page 2271,—
 - (i) in line 4, for "12th November 1974", read "12th November, 1974.";
 - (ii) in line 19, for "year.", read "year;"
- (2) at page 2272,—
 - (i) in line 2, for "India.", read "India;"
 - (ii) in line 10, for "occurs.", read "occurs;"
 - (iii) in line 16, for "so.", read "so,"
 - (iv) in line 27, for "In", read "in";
 - (v) in line 31, for "made.", read "made;"
 - (vi) in line 40, for "deposit", read "deposit";
 - (vii) in line 48, for "made", read "made,";
 - (viii) in line 50, for "situated", read "situated,";

(3) at page 2273,—

- (i) in line 6, for "deposit", read "deposit";
- (ii) in line 21, for "Eomluments", read "Emoluments";

(4) at page 2274,—

- (i) in line 3, for "thereon.", read "thereon";
- (ii) in line 14, for "changed", read "change";
- (iii) in line 20, for "12", read "12";
- (iv) in line 32, for "Peyars", read "Payers";

(5) at page 2275, in Form B, in line 5, for "he", read "the";

(6) at page 2276,—

- (i) in line 6, for "receipts of that order", read "receipt of that order";
- (ii) in the last line, omit "Place.....";

(7) at page 2277, in Form D, in paragraph 5,—

- (i) in line 6, for "receipts of that order", read "receipt of that order";
- (ii) in line 7, for "may be", read "may be";

(8) at page 2279, in Form G,—

- (i) in paragraph 2, in line 2, for "shall", read "shall";
- (ii) in paragraph 3, in line 2, for "minors", read "minors".

[No. 989/F.144(1)/74-TPL.]

S. R. MEHTA, Addl. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1975

सां.का०.नि० 431(अ).—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (i) दिनांक 12 नवम्बर, 1974 के पृष्ठ 2271 से 2290 तक प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना संख्या सां.का०.नि० 463(अ) में कृपया निम्नलिखित संशोधन कर लिए जायें:—

1. पृष्ठ 2280 पर दूसरे पैराग्राफ की पहली पंक्ति में 'अनिवार्य' के स्थान पर 'अनिवार्य' पढ़ा जाय।
2. इसी पृष्ठ पर नीचे से तेरहवीं पंक्ति में 'कार्यलय' के स्थान पर 'कार्यालय' पढ़ा जाय।
3. पृष्ठ 2281 पर ऊपर से सातवीं पंक्ति में 'वर्ष लिए' के स्थान पर 'वर्ष के लिए' पढ़ा जाय।
4. पृष्ठ 2282 पर सातवें पैराग्राफ की पहली पंक्ति में '(50)' के स्थान पर '(५)' पढ़ा जाय।
5. इसी पृष्ठ पर नीचे से पांचवीं पंक्ति में 'बयाज' के स्थान पर 'भ्याज' पढ़ा जाय।
6. पृष्ठ 2283 पर चौथे पैराग्राफ की पहली पंक्ति में '५ 0' के स्थान पर '५' पढ़ा जाय।
7. इसी पृष्ठ पर नीचे से छठी पंक्ति में 'स' के स्थान पर 'से' पढ़ा जाय।
8. पृष्ठ 2284 पर ऊपर से अठारहवीं पंक्ति में 'चक' के स्थान पर 'चैक' पढ़ा जाय।

9. पृष्ठ 2285 पर ऊपर से दूसरी पंक्ति में 'निक्षप' के स्थान पर 'निक्षेप' पढ़ा जाय ।
10. इसी पृष्ठ पर ऊपर से तीसरी पंक्ति में 'निक्षप' के स्थान पर 'निक्षेप' पढ़ा जाय ।
11. पृष्ठ 2286 पर ऊपर से तीसरी पंक्ति में 'निक्षप' के स्थान पर 'निक्षेप' पढ़ा जाय ।
12. इसी पृष्ठ पर ऊपर से उन्नीसवीं पंक्ति में 'मद्' के स्थान पर 'मदे' पढ़ा जाय ।
13. इसी पृष्ठ पर ऊपर से बीसवीं पंक्ति में 'गयीं' के स्थान पर 'गयी' पढ़ा जाय ।
14. पृष्ठ 2287 पर नीचे से पन्द्रहवीं पंक्ति में 'पतीस' के स्थान पर 'पैतीस' पढ़ा जाय ।
15. इसी पृष्ठ पर नीचे से चौदहवीं पंक्ति में 'निर्घारण' के स्थान पर 'निर्घारण' पढ़ा जाय ।
16. पृष्ठ 2288 पर ऊपर से तीसरी पंक्ति में 'गा' के स्थान पर 'या' पढ़ा जाय ।
17. इसी पृष्ठ पर ऊपर से पांचवीं पंक्ति में 'प्रपल' के स्थान पर 'अपील' पढ़ा जाय ।
18. इसी पृष्ठ पर ऊपर से चौदहवीं पंक्ति में 'निक्षप' के स्थान पर 'निक्षेप' पढ़ा जाय ।
19. इसी पृष्ठ पर ऊपर से पन्द्रहवीं पंक्ति में 'निक्षपों' के स्थान पर 'निक्षेपों' पढ़ा जाय ।
20. इसी पृष्ठ पर नीचे से चौदहवीं पंक्ति में 'नाम से' के बाद ' ' लगाकर पढ़ा जाय ।
21. इसी पृष्ठ पर नीचे से चौदहवीं पंक्ति में 'अनिवाय' के स्थान पर 'अनिवार्य' पढ़ा जाय ।
22. इसी पृष्ठ पर नीचे से ग्या हवीं पंक्ति में 'नाम से' के बाद ' ' लगाकर पढ़ा जाय ।
23. पृष्ठ 2290 पर नीचे से दसवीं पंक्ति में 'प्राप्ति' के स्थान पर 'प्राप्त' पढ़ा जाय ।

[सं० 990/फा० 144(1)/74-टी० पी० एल०]

श्री राम मेहता, अपर सचिव ।

